

पर्चा डिक्री

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी कोटकासिम (अलवर)
पीठासीन अधिकारी श्री विश्वामित्र मीना आ०ए०एस०

क्रमा संख्या 283/16
दिनांक 08.09.2016

निर्णय दिनांक
08.12.2017

उनवान

1. ज्ञानेन्द्र सिंह लोहिया पुत्र विजय पाल लोहिया जाति गूर्जर निवासी ई.28 आशियाना विलेज, भिवाडी तहसील तिजारा जिला--अलवर (राजस्थान)

-वादी/पथ

इनाम


1. छोटा देवी पत्नि तेजसिंह जाति गूर्जर निवासी आसलवास तहसील बावल जिला रेवाडी (हरियाणा)
2. राजस्थान सरकार जरिये भूमिधारी अधिकारी (लैण्ड होल्डर) तहसीलदार कोटकासिम जिला--अलवर (राज०)

दावा इशतकार हक मय दुररती इन्द्राज
अंतर्गत धारा 53,188 राज.टी.ऐ. 1955

अतः वादी का वाद भुताधिक विभाजन प्रस्ताव इस प्रकार डिक्री किया जाता है कि -

1. ज्ञानेन्द्र सिंह पुत्र विजयपाल लोहिया जाति गूर्जर निवासी ई.28 आशियाना विलेज भिवाडी तहसील तिजारा जिला--अलवर (राज०) के हिस्से में ख०न० 198/1 रकबा 0.63 हैक्टर खातेदार बाके ग्राम गूर्जरीवास रहेगी।
2. छोटा देवी पत्नि तेजसिंह जाति गूर्जर निवासी आसलवास तहसील बावल जिला--रेवाडी (हरियाणा) खातेदार के हिस्से में आ०ख०न० 198/2 रकबा 0.63 हैक्टर बाके ग्राम गूर्जरीवास तहसील कोटकासिम रहेगी।
3. आशली ख०न० 198/3 रकबा 0.01 हैक्टर बाके ग्राम गूर्जरीवास तहसील कोटकासिम में ज्ञानेन्द्रसिंह पुत्र विजयपाल लोहिया जाति गूर्जर निवासी ई.28 आशियाना विलेज, भिवाडी तहसील तिजारा जिला--अलवर (राजस्थान) 1/2 हिस्सा, छोटा देवी पत्नि तेजसिंह जाति गूर्जर निवासी आसलवास तहसील बावल जिला--रेवाडी (हरियाणा) 1/2 हिस्सा खातेदार रहेगी। इसी अनुसार राजस्व रिकॉर्ड में अगल दरगद हो। तदनुसार पर्चा डिक्री जारी हो।

निर्णय आज दिनांक 08.12.2017 को टंकित किया जाकर सरेइजलास सुनाया गया।


उपखण्ड अधिकारी
कोटकासिम(अलवर)राज०
उपखण्ड अधिकारी
कोटकासिम (अलवर)

संज्ञा

5² 18 इस न्यायालय के डिक्री दिनांक 6.12.17 में
संज्ञा है वादी का नाम ज्ञानेन्द्र सिंह पुत्र विजयपाल
लोहिया (कोटा गार्स) (अबले संज्ञा पर ज्ञानेन्द्र सिंह
लोहिया पुत्र विजयपाल को दिया रजि किया जावे (एन

न्यायालय ३५ २५०३ आग्नेवासी कोर्टकार्यालय (अलवर) राज.
प्रीतसूत्रीय आग्नेवासी - श्री विद्यासागर जीना R.A.S

क्र.सं.
२६३/१६

दायरे दिनांक
८.९.२०१६

निर्णय दिनांक
०६/१२/२०१७

उत्तरनाम

[1] श्रीनेन्द्रसिंह सोनिया पुत्र विद्यापाल सोनिया - जन्म सुर्जेश
निवासी ई-२६ आग्नेवासी खेलेन, गिवाडी तहसील जिला
जिला अलवर (राज)

- वादी

वनाम

[1] श्रीराजेश्वरी पान्से तेजासेर जन्म सुर्जेश निवासी अक्षयवाड
तहसील बावल जिला गिवाडी (राज)

[२] राजा सरकार जन्म सुर्जेश आग्नेवासी (जन्म सोनर)
तहसीलदार कोर्टकार्यालय जिला अलवर (राज)

- प्रतिवादीनाम

दावा तणासमा आराजी अथ दुष्प्रभावतन्त्रि -
द्वारा सं. ५३, १८८ राज. दी. सं. १९५५

आक्षेप -

- [1] श्री मंगल सिंह चौधरी आग्नेवासी वादी
- [2] " विकास यादव आग्नेवासी प्रति. सं. १

वादी ने एक बार न्यायालय में उपस्थित होकर बल आशय
का प्रेषा किया कि विवाहित स्थायी हाल सं. १९८१/१-२७०० ई.
वर्ष आभ सुजवीवास तहसील कोर्टकार्यालय जिला वादी सं. १ प्रतिवादी
सं. १ को अक्षयवाड स्वामी शरीरवाजा कासेर को आराजी है। जिस
पर अक्षयवाड में ही कावेज होकर कासेर करते चले आ रहे है।
राजस्व विवाद में अमज इराज है रहा है। विवाहित स्थायी
में निवासी का १/२ भाग है। जिस पर जिला वादी प्रतिवादी सं. १
को स्वयं अक्षयवाड में कावेज व दावेज होकर कासेर करते चले

Cwp

न्यायालय अधिकारी
कोर्टकार्यालय (अलवर)

०६/१२/२०१७

आ रहे हैं। अवर आराजी है। पञ्जाब राज्य के मध्य भाग
 तथा विवादित आराजी वास्तविकी प्रकार का तत्कालीन (वर्तमान)
 नहीं हुआ है। परिवारियाँ हैं। आर्य राजा जिन वही के (राजशाही)
 हिस्से को अरजा वास्तव में अजाहिर व मध्यस्थता देना करती
 रहती है। पञ्जाब राजा व वही करने में रुकावट देना करती रहती
 है। विवादित आराजी को विना कदापि परिवारियाँ हैं। राजा
 लोगों को बेचान करने को असकी रहती रहती है। परिवारियाँ
 हैं। के साथ साथ साथ में कार्य करना या अनुक्रमित हो गया
 है। अज्ञानकारी वही विवादित आराजी में अपने (2 भाग का)
 तत्कालीन वही मध्यस्थता वास्तविकी वही जहाँ कार्य कर
 अपना स्वतंत्र कार्य करने का अधिकारी है।

दावा दर्ज शीघ्र कर परिवारियों को उचित (मान्य)
 समझ लिया गया (दिनांक 27.6.2017 को परिवारियाँ हैं। की
 और से ही विवादित राज्य से- में वजाहदमाना पैदा किया।
 दिनांक 30.6.2017 को राज्य आयोग अथवा आपके द्वारा-
 2017 में पञ्जाबी पैदा हुई। दावा तत्कालीन आराजी मध्य
 दृष्टिकोण से ही वही का होने पर बाद में दिनांक 30.6.2017 को
 प्रत्यक्ष ही जहाँ की गई। तत्कालीन राज्य को तत्कालीन को
 विभाजन प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए अज्ञानकारी किया
 गया। तत्कालीन राज्य को तत्कालीन में विभाजन प्रस्ताव तैयार कर
 दिनांक 27.11.2017 को इस अज्ञानमान में पैदा किया। विभाजन
 प्रस्ताव पर वही वही ही साथ सहमति प्रकार की गई।

अतः वही का बाद अज्ञानकारी विभाजन प्रस्ताव इस
 प्रकार निको किया जाता है कि:-

- [1] ज्ञान (सिद्ध) पुत्र विभाजन को किया जाते हुए निवासी
 ई. 28 अज्ञानकारी विभाजन निवासी तत्कालीन तैयार (जहाँ)
 अज्ञानकारी (राज.) के हिस्से में एक नं० 198 रचना
 0.63 ई. 2017 स्वतंत्र वही जहाँ जहाँ निवासी रहेगी।

अज्ञानकारी अधिकारी
 अज्ञानकारी (अज्ञानकारी)

लगातार -

[2] धौटा देवी पान्ने तेजासिंह जाति सुर्गरे निवासी आशुभाष तक्षीन बाबल जिना देवाडी (दरि.) खातेदार के दिवसे में आ.ख.नं. 198 खाण 0.63 हेक्टर वाले ग्राम सुर्गरेवाले तक्षीन कोरकासिम रहेगी।

[3] अरुणी ख.नं. 198 खाण 0.01 हेक्टर वाले ग्राम सुर्गरेवाले तक्षीन कोरकासिम में जने सुर्गरे पुत्र विजयपाल गोहिया जाति सुर्गरे निवासी ई-28 आसिधारा विनेज, विनेडी तक्षीन तेजासिंह जिना अलवर (राज.) 1/2 हिस्सा, धौटा देवी पान्ने तेजासिंह जाति सुर्गरे निवासी आशुभाष तक्षीन बाबल जिना देवाडी (दरि.) 1/2 हिस्सा खातेदार रहेगी। इसी अनुसार राजस्व बिलों में अमल प्रामद हो। तदनुसार पर्या रिफ्टी जरी हो।

निर्णय आज दिनांक 06/12/2017 को मेरे द्वारा लिखवा

जाकर सर्वेक्षण सुचारु गरा।

Cup

उपस्थित अधिकारी
कोरकासिम (अलवर)

संज्ञास्थित

5-2/18 इस न्यायालय के आदेश दिनांक 6.12.17 में सखन से बाही का नाम जने सुर्गरे पुत्र विजयपाल गोहिया लिखा गया। इसके स्वागत पर जने सुर्गरे गोहिया पुत्र विजयपाल गोहिया सुर्गरे लिखा जाने।

Cup